K. Nawal BBA 4th Sem (1)

Q:- Define concept of human resource ~~accounting~~ Audit and explain main steps in implementation of human resource ~~accounting~~ Auditing system & relevance in ~~[illegible]~~

मानव संसाधन अंकेक्षण के प्रत्यय की व्याख्या करें। इसमें सम्मिलित मुख्य ~~[illegible]~~ तत्वों की व्याख्या करें।

Ans:— ~~[illegible]~~ सेविवर्गीय अंकेक्षण तात्पर्य सेविवर्गीय प्रबन्ध द्वारा अपने विभाग की समस्त क्रियाओं की सार्थकता की जाँच करने से है। सेविवर्गीय अंकेक्षण के सम्बन्ध में कुछ महत्वपूर्ण परिभाषाएं निम्नांकित हैं—

एडविन बी० फिलिप्पो द्वारा सेविवर्गीय अंकेक्षण को परिभाषित करते हुए बतलाया गया है कि "अंकेक्षण सेविवर्गीय कार्यक्रम की समस्त कार्यवाहियों का एक सुव्यवस्थित सर्वेक्षण करने की विधि है, जिसमें कि ये कार्यवाहियाँ हाथ में ली जाती हैं।

लियोन पावेल एवं फ्रांसिस एस० डेल के अनुसार "सेविवर्गीय कार्यक्रम के मुख्य अंगों का पुनरावलोकन करने के लिए वार्षिक विधि के रूप में नियमपूर्वक प्रारम्भ किया गया कार्य अंकेक्षण है। इस उद्देश्य के लिए एक जाँच सूची बनायी जाती है। अंकेक्षण पहले से लागू की गई पद्धतियों की प्रभावशीलता के मूल्यांकन और भविष्य में उठाए जाने वाले कदमों के निर्धारण में सहायता प्रदान करता है।"

उपरोक्त परिभाषाओं के विश्लेषणात्मक अध्ययन के पश्चात कहा जा सकता है कि सेविवर्गीय अंकेक्षण सेविवर्गीय ~~[illegible]~~ प्रबन्ध संबंधी कार्यों की प्रभावशीलता और सार्थकता की जाँच है और सेविवर्गीय प्रबन्ध के भावी कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शन देता है।

माईकेल जे० जूसियस ने सेविवर्गीय अंकेक्षण की प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि सेविवर्गीय मूल्यांकन का कार्यक्षेत्र है—

(i) सेविवर्गीय कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की प्रभावशीलता की माप करना।

(ii) इस माप के परिणामस्वरूप भविष्य में क्या करना है, क्या नहीं करना है का निर्धारण करना।

Oxford

K Nawal M.A. HTM Sem 4 (2)

क्षेत्र (Scope):— सेविवर्गीय अंकेक्षण के मूल्यांकन का क्षेत्र विस्तृत है। माइकेल जे॰ जुसियस द्वारा अंकेक्षण के क्षेत्र को अग्रांकित तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है—

(1) सेविवर्गीय कार्य जिनका मूल्यांकन किया जाना है— इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों को सम्मिलित किया गया है— (i) सेविवर्गीय कार्यक्रम (ii) कार्य विश्लेषण (iii) कर्मचारियों की भर्ती (iv) कर्मियों का चयन (v) कर्मचारियों का प्रशिक्षण (vi) कर्मियों द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन (vii) कर्मचारियों के स्थानान्तरण एवं पदोन्नति (viii) कर्मचारियों के मनोबल का विकास (ix) कर्मचारियों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा (x) कर्मचारियों को रोजगार में स्थायित्व (xi) मजदूरी एवं वेतन प्रशासन (xii) सामूहिक सौदेबाजी (xiii) सम्प्रेषण पद्धति इत्यादि।

(2) अभिलेख एवं समंक जिनका उपयोग किया जाना है (Records and Statistics to be used)— इसके अन्तर्गत निम्नांकित तथ्यों को सम्मिलित किया गया है— (i) समय प्रभाव (ii) लागत अभिलेख (iii) प्रशिक्षण अंक (iv) साक्षात्कार अभिलेख (v) कार्य अवरोध (vi) चिकित्सा प्रार्थना-पत्रों की संख्या (vii) दुर्घटना की संख्या (viii) परिवेदन प्रतिवेदना (ix) श्रम-आवर्तन दरें (x) प्रति इकाई श्रम-लागत (xi) मजदूरी रजिस्टर समंक इत्यादि।

(3) विश्लेषण की विधियाँ:— इसके अन्तर्गत अग्रांकित विधियों को सम्मिलित किया जाता है— (i) विभिन्न समयावधियों के बीच तुलनाएँ (ii) कम्पनी के विभागों को उस प्रकार की अन्य कम्पनियों के विभागों से तुलना करना (iii) प्रवृत्ति रेखाएँ, आवृत्ति आवंटन, सांख्यिकीय सह-सम्बन्ध (iv) अनुपात विश्लेषण। यथा— प्रति इकाई उत्पादन पर श्रम लागत (v) कर्मचारियों, उत्पादों, विभागों आदि प्रकारों के अनुसार समंक (Statistics) वर्गीकरण, रेखा चित्र या रेखाचित्र प्रदर्शन।

अंकेक्षण का महत्व (Importance of Audit)— वर्तमान में जबकि औद्योगिक विकास अभी